NEWS CLIPPING: 25.02.2020

THE TRIBUNE

ONE-DAY ORIENTATION PROGRAMME

Faridabad: JC Bose University of Science and Technology here conducted a one-day orientation programme for newly recruited employees of the university. The university had recruited 21 teaching and non-teaching employees recently for the post of associate professor, assistant professor, lab assistant and clerk. The programme was conducted by internal quality assurance cell (IQAC) director Dr Hari Om. The objective of the program was to welcome newly appointed employees and introduce them to the university facilities, administrative and academic systems, the rules and regulations of the university. Registrar Dr SK Garg welcomed the new employees and introduced them to VC Prof Dinesh Kumar. The Vice-Chancellor congratulated them and urged them to contribute in enhancing the quality of services being provided by the university whole heartedly. All deans, chairpersons and senior officials of the university were also present on the occasion.

The Tribune Tue, 25 February 2020
https://epaper.tribune

NEWS CLIPPING: 25.02.2020

DAINIK JAGRAN

भाषण प्रतियोगिता में आर्यन प्रथम रहे

जासं, फरीदाबाद : जेसी बोस (वाईएमसीए) विश्वविद्यालय में विवेकानंद मंच ने अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के उपलक्ष्य में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता में आर्यन पहले स्थान पर रहे। एनएचपीसी में महाप्रबंधक (राजभाषा) डॉ.राजबीर सिंह मुख्य वक्ता रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने की। कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग विशेष रूप से उपस्थित थे।

युवा कल्याण विभाग के निदेशक डॉ. प्रदीप डिमरी की देखरेख में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार ने मातृभाषा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को मातृभाषा की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहना चाहिए। उन्होंने विज्ञान के प्रचार-प्रसार के लिए वैज्ञानिक साहित्य हिंदी के साथ-साथ अन्य भारतीय भाषाओं में विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ.राजबीर सिंह ने कहा कि भाषा केवल संवाद करने का एक साधन नहीं है, बल्कि यह स्थान विशेष की अभिव्यक्ति, विरासत और संस्कृति का भाव हैं।

उन्होंने हिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं की लोकप्रियता के संदर्भ में 2011 की जनगणना के आंकड़ों का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि बहु-शब्द अभिव्यक्ति के मामले में हिंदी सबसे समृद्ध भाषा है। भाषण प्रतियोगिता में में बीटेक (ईसीई) के आर्यन ने पहला, मेघना ने दूसरा और किरण ने तीसरा स्थान हासिल किया।

NEWS CLIPPING: 25.02.2020

THE PIONEER

जेसी बोस में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर परिचर्चा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बाईएमसीए स्थित जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा 'अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस' का आयोजन किया गया और मातृभाषा के महत्व पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई।

कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के विवेकानंद मंच द्वारा किया गया था। उल्लेखनीय है कि मातृभाषाओं के प्रसार को बढ़ावा देने और दुनिया भर में भाषाई और सांस्कृतिक परंपराओं को लेकर जागरूकता लाने के लिए यूनेस्को द्वारा 21 फरवरी का दिन अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में घोषित किया गया है। इस अवसर पर एनएचपीसी में महाप्रबंधक (राजभाषा) डॉ. राजबीर सिंह मुख्य वक्ता रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग और विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

NEWS CLIPPING: 25.02.2020

NAVBHARAT TIMES

'अभिव्यक्ति के लिए हिंदी सबसे समृद्ध भाषा'

■ **एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद :** जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की ओर से 'अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस' का आयोजन किया गया। इस मौके पर मातृभाषा के महत्व पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के विवेकानंद मंच द्वारा किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एनएचपीसी के महाप्रबंधक (राजभाषा) डॉ. राजबीर सिंह ने कहा कि अभिव्यक्ति के लिए हिंदी सबसे समृद्ध भाषा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को मातृभाषा की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहना चाहिए। डॉ. राजबीर सिंह ने कहा कि भाषा केवल संवाद करने का एक साधन नहीं है, बल्कि यह स्थान विशेष की अभिव्यक्ति, विरासत और संस्कृति का भाव है। कार्यक्रम का आयोजन निदेशक युवा कल्याण डॉ. प्रदीप डिमरी की देखरेख में किया गया। यहां पर कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग भी थे।

NEWS CLIPPING: 25.02.2020

HINDUSTAN

भाषण प्रतियोगिता में आर्यन विजेता

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए में सोमवार को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया गया। विश्वविद्यालय के विवेकानंद मंच की ओर से हुए इस कार्यक्रम में छात्रों ने भाषण प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतियोगिता में बीटेक (ईसीई) के आर्यन ने पहला पुरस्कार जीता। बीटेक (ईसीई) से मेघना को दूसरा और बीटेक (आईटी) से किरण ने तीसरा पुरस्कार पाया।

बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे एनएचपीसी के महाप्रबंधक (राजभाषा) डॉ. राजबीर सिंह मुख्य वक्ता रहे। उन्होंने कहा कि भाषा केवल संवाद करने का साधन नहीं है, बल्कि यह स्थान विशेष की अभिव्यक्ति, विरासत और संस्कृति का भाव हैं। भाषा हमारी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने का साधन हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। मौके पर कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग, निदेशक युवा कल्याण डॉ. प्रदीप डिमरी भी मौजूद रहे।

NEWS CLIPPING: 25.02.2020

DAINIK BHASKAR

जेसी बोस यूनिवर्सिटी में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर परिचर्चा का आयोजन किया

यूनेस्को ने 21 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में घोषित किया है

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

जेसी बोस यूनिवर्सिटी ने "अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस" का आयोजन किया। इस दौरान मातृभाषा के महत्व पर भाषण प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। मातृभाषाओं के प्रसार को बढ़ावा देने और दुनियाभर में भाषाई और सांस्कृतिक परंपराओं को लेकर जागरूकता लाने के लिए यूनेस्को ने 21 फरवरी का दिन अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में घोषित किया है। इस दौरान एनएचपीसी में महाप्रबंधक (राजभाषा) डॉ. राजबीर सिंह मुख्य वक्ता थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। इस दौरान कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग और विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। कार्यक्रम का आयोजन निदेशक युवा कल्याण डॉ. प्रदीप डिमरी की देखरेख में किया गया।

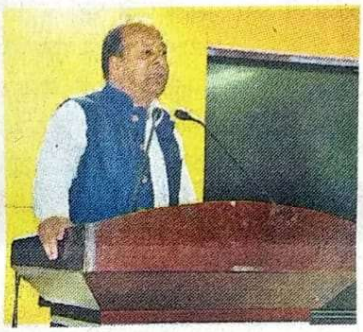

फरीदाबाद। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार।

इस दौरान कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने मातृभाषा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को मातृभाषा की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहना चाहिए। उन्होंने विज्ञान के प्रचार-प्रसार के लिए वैज्ञानिक साहित्य हिंदी के साथ-साथ अन्य भारतीय भाषाओं में विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ. राजबीर सिंह ने कहा कि भाषा केवल संवाद करने का एक साधन नहीं है, बल्कि यह स्थान विशेष की अभिव्यक्ति, विरासत और संस्कृति का भाव है। उन्होंने कहा भाषाएं हमारी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और विकसित करने का सबसे शक्तिशाली साधन हैं।